



अवधि अभिव्यक्ति

विश्वविद्यालय की ई-मासिक पत्रिका

15, फरवरी, 2021

वर्ष: 04, अंक-04

सूर्य नमस्कार समस्त रोगों से लड़ने में समर्थ है : कुलपति

03

नई शिक्षा नीति में समाहित है स्वावलंबी भारत की पहचान : राज्यमंत्री

04

भारतीय गणतंत्र की पूरे विश्व में होती है सराहना: कुलपति

27 जनवरी। 72 वें गणतंत्र दिवस पर विश्व में चर्चा हो रही है। कुलपति ने कहा कि बढ़ाई जा रही है। कुलपति ने बताया कि नई उपलब्धि का आयोजन किया गया। जिसमें योगोपचार विभाग की छात्र-छात्राओं द्वारा योग नृत्य, रंग दे बसंती आप लोगों के सहयोग से आगे बढ़ाना है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में नैक टीम का भ्रमण होना है। दीक्षांत समारोह भी प्रस्तावित हो चुका है। इसलिए हमें निरंतर नवीन कार्य करते रहने के साथ हर कार्य को गति प्रदान करनी है। हमें विश्वास है कि विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में आपका सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



ऋषि-मुनियों ने जो विचार दिए हैं वे आज भी सहयोग मिलता रहेगा। कुलपति प्रो० सिंह ने कहा कि हमें आगे सार्वभौमिक है। कुलपति ने कहा कि हमें आगे और चुनौतियों का सामना करना है। हम सभी को मिलकर चुनौतियों को अवसर के रूप में आवास पर झंडारोहण किया। मुख्य परिसर में झंडारोहण से पहले कुलपति प्रो० सिंह ने डॉ० लोहिया, गांधी जी, विवेकानंद, सरदार वल्लभभाई पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उसके उपरांत विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई। गणतंत्र दिवस पर परिसर में

सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें योगोपचार विभाग की छात्र-छात्राओं द्वारा योग नृत्य, रंग दे बसंती पर सामूहिक नृत्य एवं विश्वासों के दीप जलाकर युग ने तुम्हें पुकारा, संगीत एवं अभिनय कला विभाग की छात्राओं ने इस आजादी को प्यार करे एवं वो दिन हैं कितने दूर, फैशन डिजाइनिंग एण्ड गारमेंट टेक्नोलॉजी की छात्राओं ने संदेश आते हैं जैसे देश भवित गीतों से एवं बीपीएस के छात्र ने काव्य पाठ द्वारा सभी को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० निखिल उपाध्याय द्वारा किया गया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो० नीलम पाठक ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी धननज्य सिंह, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह, मुख्य नियंता प्रो० अजय प्रताप सिंह, प्रो० अशोक शुक्ला, प्रो० चयन कुमार मिश्र, प्रो० राजीव गौड़, प्रो० आशुतोष सिन्हा, प्रो० आरके तिवारी, प्रो० एसएस मिश्र, प्रो० हिमांशु शेखर सिंह, प्रो० केंकरे वर्मा, प्रो० एनके तिवारी, प्रो० विनोद श्रीवास्तव, प्रो० सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो० अनूप कुमार, प्रो० आरके सिंह, प्रो० शैलेन्द्र वर्मा, प्रो० शैलेन्द्र कुमार, सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

योग, स्वास्थ्य-शिक्षा तथा शारीरिक क्रियाएं हमारी विरासत: प्रो० मिश्र

07 फरवरी। डॉ० राममनोहर लोहिया अवधि में जानकारी दी।

विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक विज्ञान संस्थान द्वारा मुख्य अतिथि सी.एस.आर.आई. 'कोविड-19' का खेल और शारीरिक क्रियाओं पर प्रभाव' विषय पर दो दो दिवसीय ऑनलाइन सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, मध्य प्रदेश के कुलपति प्रो० कपिल देव मिश्र रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अवधि विवि के कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने की।

सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कुलपति प्रो० कपिल देव मिश्र ने सनातन संस्कृति का हवाला देते हुए कहा कि पुरातन काल से ही योग, स्वास्थ्य-शिक्षा तथा शारीरिक क्रियाएं हमारी विरासत रही है। कोरोना काल में यही हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गई है। इसे अपने जीवन में अपनाकर कोरोना संक्रमण से निजात पाकर स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने कहा कि कोविड-19 के दौर में शारीरिक क्रियाओं एवं योग का महत्व मानव समाज के कल्याण के लिए बढ़ गया है। वर्तमान समय में इसे सभी को अपनाना चाहिए। महानिदेशक राजपाल सिंह ने कहा कि संक्रमण काल की विषम परिस्थितियों करने के साथ-साथ बेहतर जीवन शैली को स्वस्थ रखने के लिए इस महामारी के प्रति जागरूक होना होगा, तभी हम स्वस्थ समाज की कल्पना कर सकते हैं।

संस्थान के निदेशक प्रो० एसएस मिश्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कोविड-19 ने हम सभी के जीवन को प्रभावित किया है। इससे निजात पाने के लिए योग एवं खेल को महत्व देने के साथ समाज को आम जन तक पहुंचाना हम सबकी जागरूक करना होगा। उद्घाटन सत्र में जिम्मेदारी है।

संस्थान के डॉ० अनिल कुमार मिश्र ने कोविड-19 महामारी के मुख्य कारणों एवं शारीरिक शिक्षा खेल एवं योगिक विज्ञान उसके निवारण के उपायों पर प्रकाश डाला।

सेमिनार के द्वितीय सत्र में लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फिजिकल एजुकेशन व्यायाम और योग को अपने जीवन का हिस्सा ग्वालियर के डॉ० राजकुमार शर्मा ने कोरोना बनाना होगा। इसके लिए समाज को जागरूक महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था करने की आवश्यकता है। प्रो० मिश्र ने सभी पर जोर देते हुए कहा कि ऑनलाइन शिक्षा स्तरों पर पाठ्यक्रम में शारीरिक शिक्षा एवं प्रणाली को अपनाकर हम अच्छी ओर बेहतर खेल को अनिवार्य रूप से शामिल करने पर शिक्षा दे सकते हैं। सत्र में ही डॉ० एसएन सिंह जोर दिया।

ने कोरोना काल में फिजिकल फिटनेस के बारे



समापन सत्र को संबोधित करते हुए कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के कारणों पर समापन सत्र को संबोधित करते हुए कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के कारणों पर उन्होंने पर्याप्त व्यायाम की उपयोगिता पर जोर देते हुए कहा कि कोरोना की तीव्रता को कम करने के लिए पौष्टिक आहार एवं योग तथा आयुर्वेदिक पद्धति को जीवन में अपनाना नितांत जरूरी है। लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ० नीरज जैन ने कहा कि कोरोना संक्रमण के समय से जो विषम परिस्थितियां उत्पन्न हुई हैं, इसके कारण शारीरिक क्रियाओं की उपयोगिता को बढ़ावा मिला है। इस महामारी ने हमको टीचिंग के नए-नए साधन उपलब्ध कराए हैं।

इसी क्रम में ब्रदी विश्वाल पीजी कॉलेज फर्लखाबाद के प्राचार्य डॉ० शरद चंद्र मिश्र ने कहा कि खेल एक नैसर्गिक क्रिया है। इसके माध्यम से हम अपने स्वास्थ्य को सही अवश्यकता है। हमें ओलंपिक और एशियाड में अधिक उन्होंने एक खेल के लिए खेल में संसाधन उपलब्धि हासिल करने के लिए खेल में संसाधन उपलब्धि हासिल करने के साथ-साथ बेहतर जीवन शैली को संवर्धित करने के साथ हुआ। उसके उपरांत विश्वविद्यालय कूलगीत की डिजीटल प्रस्तुतीकरण की गई। तकनीकी सहयोग संस्थान के डॉ० संघर्ष सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मॉ सरस्वती की कार्यक्रम का संचालन डॉ० अर्जुन सिंह ने किया। आयोजन सचिव डॉ० अनुराग पांडे, डॉ० त्रिलोकी यादव एवं डॉ० मुकेश वर्मा ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ० कपिल कुमार राणा, डॉ० प्रतिभा त्रिपाठी, मोहिनी पांडे, देवेंद्र कुमार वर्मा, स्वाति उपाध्याय, अनुराग सोनी, आलोक तिवारी, गायत्री वर्मा सहित देश के अन्य विश्वविद्यालयों के शिक्षक एवं प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे।

हम अपने स्वास्थ्य को सही अवश्यकता है। हमें ओलंपिक और एशियाड में अधिक उन्होंने किया। विषय का ज्ञान प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम एक मात्र विकल्प है। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास से लेखन एवं बोलने के अभ्यास से बोलने की क्षमता को समृद्ध किया जा सकता है। इसके लिए निरन्तर अभ्यास की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार के विभागाध्यक्ष प्रो० मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि आधुनिक पत्रकारिता में छात्रों को तकनीकी रूप से दक्ष होना जरूरी है। विषय का ज्ञान प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम एक मात्र विकल्प है। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास से लेखन एवं बोलने के अभ्यास से बोलने की क्षमता को समृद्ध किया जा सकता है।

कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार के विभागाध्यक्ष प्रो० मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि आधुनिक पत्रकारिता में छात्रों को तकनीकी रूप से दक्ष होना जरूरी है। विषय का ज्ञान प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम एक मात्र विकल्प है। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास से लेखन एवं बोलने के अभ्यास से बोलने की क्षमता को समृद्ध किया जा सकता है।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। विभाग के शिक्षक डॉ० आरएन० पाण्डे एवं डॉ० अनिल कुमार विश्वा द्वारा अतिथियों का स्वागत स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम भेटकर किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ० राजेश सिंह कुशवाहा द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपराजिता, अंशुमान, अंकिता, आरती, रोशनी, राधा, सुरभि, आशुतोष, शिव कुमार, शशांक, रत्नेश, सचिन, शबाना सहित अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

अवध अभिव्यक्ति

अयोध्या में बढ़ी पर्यटन की संभावनाएँ : जिलाधिकारी

15 जनवरी। डॉ० राममनोहर लोहिया की जरूरत है। कुलपति प्रो० सिंह ने बताया कि अयोध्या में टूरिस्ट गाइड अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर बताया कि टूरिस्ट गाइड किसी भी प्रशिक्षण एक स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम सभागार में विश्वविद्यालय व नगर टूरिस्ट स्थान का रीढ होता है, यदि है। इस प्रशिक्षण के जरिए आंगनुको निगम के मध्य 15 दिन का टूरिस्ट वह सक्षम नहीं है, तो पर्यटन स्थल को अयोध्या के परिवेश एवं गाइड प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने अयोध्या की सभ्यता बताया कि अयोध्या अब एक में ट्रेनिंग दी जा रही है। और यहां के निवासियों की प्रशंसा विश्वव्यापी पर्यटक स्थल बन रहा है, करते हुए कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के राम मंदिर पर निर्णय आने के बाद से अयोध्या में यात्रियों की संख्या में व्यापक वृद्धि हुई है। इसी कारण यहां टूरिस्ट गाइडों की आवश्यकता देखी जा रही है। इसी नहीं बल्कि प्रमुख धर्मों की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। कुलपति ने कहा कि कम्यूनिकेशन स्किल पर ध्यान देना जिलाधिकारी ने बताया कि नव्य आवश्यक है, जिस भाषा में संवाद अयोध्या आने वाले समय में पूरा बदला हुआ परिवर्त्य दिखाई देगा। दिखना चाहिए। गाइड का कार्य सिर्फ शासन एवं प्रशासन इसकी पूरी भाषण देना नहीं होता तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में भव्य रेलवे स्टेशन, रिंग रोड, इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर संवाद में वे दृश्य परिलक्षित होने चाहिए।

इसी वर्ष से अयोध्या में राष्ट्रीय उड़ाने शुरू हो जाएगी। जिलाधिकारी ने टूरिस्ट गाइडों को संबोधित करते हुए कहा कि 15 दिन में प्रशिक्षण समय का समेटे हुए है। यहां की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विवासत सदियों से संचेतना का केन्द्र बनी हुई है। उन्होंने बताया कि वाराणसी में मठ मन्दिरों से जुड़े पुजारीगण यात्रियों को गाइड करते थे, अब उन्हें प्रशिक्षित कर तीर्थ पुरोहित नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने के लिए अनुराग तिवारी, संदीप लेकिन तीर्थयात्रियों को आधी अधूरी उपरांत उनको नगर निगम द्वारा पाण्डेय, आशीष पटेल, कविता जानकारी ही भिल पाती है, इसी प्रमाण पत्र दिया जाएगा। क्षेत्रीय श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में वजह से अयोध्या में टूरिस्ट गाइड पर्यटन अधिकारी आर०पी० यादव ने प्रतिभागी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने कहा कि अयोध्या एक प्राचीन धार्मिक नगरी है, यहां पर लाखों दर्शनार्थी प्रतिवर्ष भारत के विभिन्न प्रांतों से आते हैं। उन्होंने बताया कि योगी ने अपनी विशेष भूमिका रखता है। शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक विज्ञान संस्थान द्वारा सर्वरोग निवारणार्थ सामूहिक 51 सूर्य नमस्कार के अभ्यास का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रविशंकर ने बताया कि आज के व्यास्तम दिनचर्या में स्वास्थ्य को खेल एवं योग की भूमिका अनुराग सोनी ने किया। धन्यवाद जी ने सूर्य नमस्कार एवं ध्यान की ज्ञापन शारीरिक शिक्षा, नमस्कार के अभ्यास का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रविशंकर ने बताया कि आज के व्यास्तम दिनचर्या में स्वास्थ्य को खेल एवं योग की भूमिका अनुराग सोनी ने किया। धन्यवाद जी ने सूर्य नमस्कार एवं ध्यान की ज्ञापन शारीरिक शिक्षा, नमस्कार के अभ्यास का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रविशंकर ने बताया कि आज के व्यास्तम दिनचर्या में स्वास्थ्य को खेल एवं योग की भूमिका अनुराग सोनी ने किया। धन्यवाद जी ने सूर्य नमस्कार एवं ध्यान की ज्ञापन शारीरिक शिक्षा, नमस्कार के अभ्यास का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रविशंकर ने बताया कि आज के व्यास्तम दिनचर्या में स्वास्थ्य को खेल एवं योग की भूमिका अनुराग सोनी ने किया। धन्यवाद जी ने सूर्य नमस्कार एवं ध्यान की ज्ञापन शारीरिक शिक्षा, नमस्कार के अभ्यास का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में एम. ए. उत्तराध की विषय में छात्र-छात्राओं को विस्तार से छात्रा रंजना मौर्या ने नेताजी के जीवन के बताया। नेताजी हमेशा सामाजिक समरसता विभिन्न बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। उत्तरा की बात करते थे, उन्होंने कभी भी असमानता अवधीन करते थे, उनके देश प्रेम को भुलाया हुए देश भवित गीत "ए मेरे वतन के लोगों" नहीं जा सकता। इसके साथ ही आनंद दुबे, अनुशासन प्रिय थे, जो संकल्प ले लेते श्रीवास्तव, अखिलेश कुमार, राजवीर, विनय थे उसे लक्ष्य तक पहुँचाने की क्षमता रखते कुमार सिंह ने भी नेताजी पर अपने थे। इसलिए सुभाषचंद्र बोस के जीवन से विचार प्रस्तुत किए। मंच का संचालन प्रेरणा प्राप्त करने के लिए छात्रों को पीएचडी शोधार्थी अनुराग मिश्रा और प्रेरित किया।

प्रो० तिवारी ने कहा कि नेता जी नेहा यादव, रंजीत वर्मा, ऋषभ कुमार

अनुशासन प्रिय थे, जो संकल्प ले लेते श्रीवास्तव, अखिलेश कुमार, राजवीर, विनय थे उसे लक्ष्य तक पहुँचाने की क्षमता रखते कुमार सिंह ने भी नेताजी पर अपने थे। इसलिए सुभाषचंद्र बोस के जीवन से विचार प्रस्तुत किए। मंच का संचालन प्रेरणा प्राप्त करने के लिए छात्रों को पीएचडी शोधार्थी अनुराग मिश्रा और प्रेरित किया।

रविन्द्र यादव ने किया।

अनुशासन एवं परिश्रम से लक्ष्य की प्राप्ति निश्चित : डॉ० चतुर्वेदी

25 जनवरी। डॉ० राममनोहर लोहिया विश्वविद्यालय का गौरव बने। अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं विभाग के शिक्षक डॉ० राजेश पत्रकारिता विभाग में चतुर्थ सेमेस्टर सिंह कुशवाहा ने कहा कि विदाई के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह विद्यार्थियों के साथ-साथ समारोह का आयोजन किया गया। शिक्षकों के लिए भी बहुत ही भावुक विदाई समारोह का तृतीय सेमेस्टर के पल होता है। संस्थान एवं शिक्षकों विद्यार्थियों द्वारा किया गया। समारोह की पहचान विद्यार्थियों से ही होती में विभाग के बी० है। अब वक्त आ गया है कि वॉक० एवं एम०ए० एमसीजे के पाठ्यक्रम पूरा कर चुके विद्यार्थी सत्य विद्यार्थी शामिल रहे। विदाई समारोह निष्ठा एवं ईमानदारी से कर्तव्यों का मिस्टर सौरभ सिंह को चुना गया। आवाज बने।

कार्यक्रम में डॉ० राज पाण्डेय को मिस्टर स्माइली एवं सामाजिक मूल्यों का संरक्षण करना है। सामाजिक सरोकारों का जन चुनाव डॉस, युप डॉस, फैशन शो, प्रतिनिधि बनकर मानव सेवा कैटवॉक, कविता एवं देशभक्ति गीतों पत्रकारिता का प्रमुख लक्ष्य है। का आयोजन किया गया। समारोह में पत्रकारिता के क्षेत्र में नित नई अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने अपने 2 चुनौतियों का सामना कर समन्वय वर्ष के अनुभव को जूनियर के छात्रों स्थापित करना होगा। इसी कम में के साथ साझा किया और कहा कि डॉ० अनिल कुमार विश्वा ने कहा कि लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कड़ी में पत्रकारिता के क्षेत्र में आप सभी के हनत की जरूरत है।

विदाई समारोह में विभाग इसके लिए आप सभी को कैरियर की शुरुआत हो गई है। विभाग के समन्वयक डॉ विजयन्दु चतुर्वेदी ने तकनीकी एवं व्यवसायिक रूप से कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए अपग्रेड रहना होगा। अनुशासन का बड़ा ही महत्व है। कार्यक्रम का संचालन स्वाति अनुशासन एवं परिश्रम से लक्ष्य की खरे, आरती तिवारी एवं ईशिता प्राप्ति निश्चित है। डॉ० चतुर्वेदी ने श्रीवास्तव ने किया। विदाई समारोह छात्रों से कहा कि पिछले दो वर्षों में आशुतोष श्रीवास्तव, कुमकुम, सिंद्ध आपने जो विभाग से सैद्धांतिक एवं तंत्रिका लिए अपने जो विभाग से सैद्धांतिक एवं अर्जित श्रीवास्तव, अखण्ड प्रताप सिंह, किया है उसे एक स्वरूप परपरा महेश कुमार, रत्नेश उपाध्याय, के रूप में अपने समाज को देना है। इसके सोनू कुमार, राजेन्द्र कुमार, साथ ही अपने आप को स्थापित अंकित कुमार सहित विभाग के करते हुए पुरातन छात्र के रूप में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने स्वैच्छिक श्रमदान में लिया हिस्सा

24 जनवरी। डॉ० राममनोहर लोहिया विश्वविद्यालय में नैक की टीम मार्च अवध विश्वविद्यालय के कुलपति के प्रथम सप्ताह में आनी है। इसी के प्रो० रविशंकर सिंह के दिशा-निर्देशन दृष्टिगत परिसर एवं विभागों को साफ में नैक मूल्यांकन के दृष्टिगत प्रातः 10 सुधरा बनाये रखने के लिए इस मुहिम बजे से 12 तक परिसर के विभिन्न को चलाया जा रहा है।

विभागों में स्वैच्छिक श्रमदान एवं साफ-सफाई किया गया। इस अभियान में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अभियान में कुलपति कार्यालय, प्रशासनिक भवन में लेखा विभाग, परीक्षा विभाग, गोपनीय, सम्बद्धता विभाग, सिर्फ अपने घरों तक सीमित रखे। जहां से जुड़े हैं उसके आस-पास भी स्वैच्छिक के प्रति जागरूक रहना चाहिए। इससे समाज को एक साकारात्मक संदेश जायेगा। इस अभियान में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी अपने-अपने परिसर की साफ-सफाई कर श्रमदान किया। इस अभियान में विश्वविद्यालय के बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अभियान में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अ

